भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **3406**

सोमवार, **9** दिसम्बर, **2019/18** अग्रहायण, **1941** (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा के पर्यटन सर्किटों के लिए मंजूर की गई निधि

3406. प्रो॰ अच्युतानंद सामंतः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा के थीम-आधारित परिपथों का ब्यौरा क्या है और इस हेतु स्वदेश-दर्शन योजना के अंतर्गत मंजूर की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ललितगिरि, उदयगिरि और रत्नागिरि स्थित बौद्ध हीरक-त्रिभुजाकार आकृति तथा धौली के बौद्ध शांति स्तूपों सहित ओडिशा की जनजातियों और विशेषतः कमजोर स्तर के आदिवासियों, जिनकी अपनी अनूठी संस्कृति है, को देखते हुए सरकार विशेषकर बौद्ध व आदिवासी थीमों पर आधरित और अधिक सर्किटों को 'स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत शामिल करने पर विचार करेगी;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ) : पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत ओडिशा सहित देश में थीमेटक परिपथों का सुनियोजित तथा प्राथमिकता प्रदत्त तरीके से विकास कर रहा है। योजना के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा परियोजना प्रस्तावओं की प्रस्तुति एक सतत् प्रक्रिया है। योजनाओं के अन्तर्गत परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और उनके संगत योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता तथा पूर्व में निर्मुक्त निधियों की उपयोगिता की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं।

उपरोक्त मानदण्ड के आधार पर, मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में 70.42 करोड़ रु. से ओडिशा में तटवर्ती परिपथ: गोपालपुर, बारकुल, सतपदा तथा तम्पारा का विकास परियोजना को स्वीकृत किया है।

****